3. शब्द विचार

मुख से निकली ध्वनियों या वर्णों के सार्थक मेल से जो सार्थक इकाई बनती है, उसे शब्द कहते हैं। शब्द विचार के अंतर्गत शब्दों की उत्पत्ति, प्रकार तथा उनके रूपांतर के बारे में बताया जाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शब्द किसे कहते हैं, छात्रों से जानें। शब्द के बारे में समझाएँ।
- ❖ शब्द और पद का अंतर स्पष्ट करें।
- ❖ शब्दों के वर्गीकरण का आधार बताएँ। रचना या बनावट के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, अर्थ के आधार पर, प्रयोग के आधार पर, इन चारों आधारों पर शब्दों का भेद किया जाता है।
- ❖ रचना या बनावट के आधार पर रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्दों को बनाना और उनका प्रयोग समझाएँ। इन शब्दों का अंतर भी स्पष्ट करें। छात्रों से शब्दों के कुछ प्रकार जानें।
- ❖ उत्पत्ति के आधार पर शब्द भेद बताते हुए समझाएँ कि बहुत से शब्दों की उत्पत्ति या जन्म अन्य भाषा के शब्दों से होता है तथा अन्य भाषाओं से भी हिंदी भाषा में कई शब्द प्रयोग में लाए जाते हैं।
- ❖ तत्सम-तद्भव और देशज-विदेशी तथा संकर शब्दों के बारे में बताएँ। संस्कृत के कुछ शब्द बोलें फिर उनके हिंदी रूप यानि तद्भव शब्द छात्रों से जानें।
- ❖ अर्थ के आधार पर विलोम, पर्यायवाची, अनेकार्थी, एकार्थी आदि सार्थक शब्दों के बारे में बताएँ।
- ❖ बीच-बीच में छात्रों से पूछते रहें कि वे विषय को भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।
- ❖ व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर शब्द भेद बताते हुए विकारी-अविकारी शब्दों के बारे में बताएँ।
- ❖ समझाएँ, जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अविकारी शब्द होते हैं तथा जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक का प्रभाव पड़ता है, वे विकारी शब्द होते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि विकारी शब्द हैं तथा क्रियाविशेषण, संबंधबोधक आदि अव्यय या अविकारी शब्द हैं।
- ❖ प्रयोग के आधार पर शब्दों के प्रकार– सामान्य शब्द तथा तकनीकी शब्दों के बारे में समझाएँ।
- ❖ अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।